केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 28 रविवार 18 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नगर में खुला होम्योपैथिक अस्पताल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप पर नगर में राजकीय होम्योपैथिक हॉस्पिटल खुल गया। वर्षों पूर्व नगर बाजार के इस होम्योपैथिक अस्पताल को हरैया तहसील में स्थांतरित कर दिया गया था जिसको वापस लाने के लिए अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखा था। मुख्यमंत्री के संयुक्त सचिव अजय कुमार ओझा के निर्देश पर प्रदेश के होम्योपैथिक निदेशक ने जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी बस्ती को तत्काल कार्यवाही का निर्देश दिया था जिसके क्रम में आज अस्पताल वापस नगर पंचायत के बकैनिया द्वीप में स्थांतरित कर दिया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम सिंह राना ने उद्घाटन करते हुए कहा कि क्षेत्र में इससे मरीजों को सुविधा मिल सकेगी। श्रीमती राना ने कहा कि नागरिकों के स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाना नगर पंचायत का दायित्व है। उन्होंने कहा कि आदर्श नगर पंचायत नगर को देश के नक्शे पर स्थापित करने का प्रयास जारी रहेगा। पूर्व ब्लॉक प्रमुख समाजसेवी राना दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि होम्योपैथिक चिकित्सा जहां सस्ती और सुलभ है वहीं अत्यंत कारगर भी सिद्ध हुई है। उन्होंने नगर को देश का मॉडल नगर पंचायत बनाने में सभी से सहयोग की अपील किया। राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर विनोद मिश्रा ने बताया कि प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह 08 बजे से दिन में 02 बजे तक अस्पताल की सेवाएं प्रदान की जायेंगी। मात्र एक रुपए के पर्चे पर सभी सरकारी दवाएं निःशुल्क उपलब्ध होंगी। अधिशाषी अधिकारी संजय राव ने सभी का स्वागत करते हुए आभार जताया और कहा कि नगर पंचायत नगर को सभी सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाएगा। इस अवसर पर अर्बन को ऑपरेटिव बैंक के सचिव अशोक कुमार पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, समस्त सभासद सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, गणमान्य लोग तथा महिलाएं मौजूद रहीं।

छात्र के किराए के मकान पर ही चला दिया बुलडोजर

उदयपुर (आभा)। राजस्थान के उदयपुर मे हमलावर आरोपी छात्र के किराए के मकान पर ही बुलडोजर चला दिया है। सरकार के ऐक्शन पर सवाल उठ रहे है। हालांकि, उच्च अधिकारी इस पर बोलने से बच रहे है। बताया जा रहा है कि प्रशासन की ओर से शुक्रवार देर रात को आरोपी को मकान खाली करने का नोटिस चस्पा किया गया। इसके बाद पटवारी सुरपाल सिंह सोलंकी ने दो जेसीबी मशीनों को लगाकर आरोपी के पूरे मकान को ध्वस्त कर दिया गया।

आरोपी का मकान वन विभाग की जमीन पर बनाया गया है। बड़ा सवाल यह है कि उसी मकान पर बुलडोजर क्यों चलाया है। जबकि आस–पास के मकान भी वन विभाग की जमीन पर ही बने हुए है। प्रशासन की कार्रवाई अब सवालों के घेरे में आ गई है। माना जा रहा है कि जनता के दबाव में प्रशासन ने आनन–फानन में यह कार्रवाई की है। क्योंकि आरोपी छात्र के खिलाफ ऐक्शन लेने के भीड़ बेकाबू हो रही थी। ऐसे में प्रशासन ने जल्दबादी में बुलडोजर चला दिया है। मामला कोर्ट में जा सकता है।

डाक्टरों की हड़ताल से चिकित्सा सेवा लड़खड़ाई

नई दिल्ली (आभा)। भारतीय चिकत्सा संघ (आईएमए) की हड़ताल का असर शनिवार को देश भर में स्वास्थ्य सेवाओं पर देखने को मिला। हालांकि, इससे आपातकालीन सेवाओं पर असर नहीं पड़ा। आईएमए बिहार के प्रमुख सदस्य सहजानंद प्रसाद सिंह ने बताया कि हड़ताल सुबह छह बजे शुरू हुई और चौबीस घंटे तक चलेगी। इस दौरान नियमित ओपीडी और अन्य सर्जरी नहीं होंगी।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोकन ने कहा, देश के हर कोने से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। अन्याय के खिलाफ डॉक्टर एकजुट होकर खड़े हैं। इमरजेंसी सेवाओं का ध्यान रखते हुए विरोध प्रदर्शन जारी है। हर जगह डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस मामले ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। हम सरकार से इस दिशा में कदम उठाने की उम्मीद करते हैं, क्योंकि यह सुरक्षा का एक बुनियादी सवाल है, विशेषकर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर। न केवल डॉक्टर्स के लिए बल्कि देश की सभी महिलाओं के लिए। उन्होंने आगे कहा, अब सरकार को जवाब देना है। हम उनसे मौलिक अधिकार मांग रहे हैं, जीवन का अधिकार। हम प्रधानमंत्री को भी लिखेंगे। उनके हस्तक्षेप का समय आ गया है। प्रधानमंत्री को पत्र लिखना बहुत उचित रहेगा और आईएमए ऐसा करेगा। उन्होंने यह भी साफ किया कि इस हड़ताल के दौरान सभी जरूरी सेवाओं को जारी रखा जाएगा और अस्पतालों में आपातकालीन मामलों का ध्यान रखा जाएगा। राजधानी पटला सहित बिहार के अन्य जिलों जैसे पूर्णिया और बेगूसराय में भी चिकित्सा सेवाओं पर हड़ताल का असर देखने को मिला है। डॉक्टरों ने पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या की कड़ी निंदा की और चिकित्सा पेशेवरों, खासकर महिलाओं की सुरक्षा की मांग की।

प्रशिक्षु चिकित्सक की हत्या से उबाल, श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में बंद रहा ओ.पी.डी.

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल में कोलकाता में प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या के विरोध में चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। मांग किया कि प्रशिक्षु चिकित्सक पर जुल्म ढाकर हत्या करने के आरोपियों को कड़ी सजा दिलायी जाय। इसके साथ ही प्रशिक्षु चिकित्सकों की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाय। ट्रेनी डाक्टर इस घटना के बाद खुद को असुरक्षित महसूस करने के साथ ही आक्रोशित है। श्रीकृष्णा मिशन हास्पिटल की ओ.पी.डी. शनिवार को बंद रही। डा. पी.पी. मिश्र ने बताया कि आकस्मिक सेवाओं को जारी रखा गया।

प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या के विरोध में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से हास्पिटल के जनरल मैनेजर वी.के. अय्यर, डा. असरार, डा. अमित नायक, डा. सोमा सा गुप्ता, डा. मो0 दाउद अख्तर, डा. अजीज आलम, डा. दिनेश चन्द्र श्रीवास्तव, डा. काजी, डा. अवधेश कुमार उपाध्याय के साथ राम धीरज चौधरी, विश्वनाथ चौधरी, दुर्गेश चौधरी, मनोज चौधरी, स्वास्थ्यकर्मी सुषमा सिंह, शशि मिश्र, प्रिया चौधरी, शिखा चौधरी, कविता गुप्ता, मनोरमा, अनीता चौधरी, नन्दनी चौधरी, गुन्जन मिश्र, सुनील कुमार, जितेन्द्र, जमील अहमद के साथ ही अनेक फार्मासिस्ट शामिल रहे।

ट्रेनी डाक्टर की रेप, हत्या मामले में चिकित्सको, स्वास्थ्यकर्मियों ने काली पट्टी बांधकर निकाला मार्च

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर की रेप के बाद हत्या मामले में पूरे देश के चिकित्सकों में गुस्सा है। शनिवार को जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों ने विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर मार्च निकाला और सेवाओं को जारी रखा। मांग किया कि ट्रेनी डॉक्टर के दोषियों को कड़ा दण्ड देने के साथ ही प्रशिक्षु चिकित्सकों को समुचित सुरक्षा प्रदान किया जाय जिससे भविष्य में इस प्रकार की अनहोनी न होने पाये।

जिला चिकित्सालय के प्रमुख अधीक्षक डा. वी.के. सोनकर, डा. वी.के. वर्मा, डा. महेश प्रसाद, डा. नरेश अग्रवाल, डा. ए.एन. त्रिगुण, डा. अनिल कुमार, डा. ए.के. मल्ल, डा. सारिब सुहेल, डा. सरफराज खान, डा. उबैदुल्ला खान, डा. रामजी सोनी, डा. जुनेद अहमद, डा. सतीश चन्द्र, डा. विजय तिवारी, डा. अमिता गुप्ता, डा. उपासना, स्वास्थ्यकर्मी विजय लक्ष्मी, सुनीता, पुष्पा गौतम, धनंजय के साथ ही अनेक चिकित्सक, फार्मासिस्ट, स्वास्थ्यकर्मी शामिल रहे।

पूर्व विधायक संजय प्रताप ने किया खाद्यान्न माफियाओं के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–आधारकार्ड मांग कर जारी है ठगी का खेलः मुख्यमंत्री से मिलकर दिया जानकारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । रुधौली के पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर सरकारी क्रय केन्द्रो पर किये गये फर्जी खरीद के मामलों की उच्च स्तरीय कराने का आग्रह किया है।

पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को बताया कि विधानसभा क्षेत्र 309 रुधौली के तहसील रुधौली क्षेत्र के भ्रमण के दौरान ग्राम सभा मुगरहा, पुरैना, मैनी, पैड़ा आदि गांव के आम जनमानस द्वारा संज्ञान में लाया गया कि ग्राम मुगरहा के श्रीमती अफजल पत्नी अकबर के द्वारा कार्यालय जिला पूर्ति अधिकारी, बस्ती के नोटिस पत्रांक संख्या 2023 के द्वारा आयुक्त खाद्य एवं रसद विभाग लखनऊ कार्यालय पत्र संख्या 2718 परिवार कल्याण योजना 2022 दिनांक 10/05/2024 के द्वारा प्रचलित राशन कार्डों की एन.आई.सी. से प्राप्त सूची उपलब्ध कराया गया । इस क्रम में गरीब जनता के राशन कार्ड को निरस्त किया जा रहा है, जिसकी नोटिस जिला पूर्ति कार्यालय द्वारा भेजा जा चुका है। सूत्रो द्वारा यह जानकारी हुई है, कि खाद्य माफियाओं द्वारा क्रय केन्द्रो की जिम्मेदार एवं मिलर की मिलीभगत से ग्रामीणो का आधार कार्ड मांगकर तहसील प्रशासन, लेखपाल कानूनगो आदि के द्वारा जिनके नाम से जिनके पास एक एकड़ से भी कम जमीन है उनके नाम से पांच एकड़ से अधिक फर्जी खतौनी बनाकर तहसील प्रशासन द्वारा प्रमाणित कर खाद्यान माफियाओं, क्रय केन्द्रो, मिलरो द्वारा फर्जीवाड़ा करके खाद्य विभाग को खरीद का डाटा उपलब्ध कराया गया है। खाद्यान माफियाओं द्वारा आधार कार्ड, धारको के घर जाकर उनके खातो में आया हुये पैसे को गलत खाता बताकर सही करने के बहाने अंगूठा और ओटीपी मांगकर पैसा निकाल लिया गया है।

पूर्व विधायक संजय ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि तहसील प्रशासन एवं (खाद्य एवं रसद विभाग) जिला सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बस्ती द्वारा निर्धारित क्रय केन्द्रो के जिम्मेदारो एवं खाद्यान्न माफियाओं की मिली भगत से गरीब जनता के आधार कार्ड पर भुगतान कर उनसे पैसा निकाल लिये जाने के मामलों की जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई कराया जाय। गरीबों के जीविकोपार्जन हेतु सरकार द्वारा जो राशन दिया जा रहा है वह निरस्त हो रहा है और गरीब परिवार भुखमरी के कागार पर है। ऐसे में जांच कराकर जितने आधार कार्डों पर खरीद क्रय केन्द्रो द्वारा भुगतान किया गया है उनके खिलाफ कार्यवाही हो।

गैर मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों को बंद कराने की मांगः शिक्षकों ने बीएसए को सौंपा ज्ञापन

–परिषदीय विद्यालयों को बंद कराने का षड़यंत्र स्वीकार नहीं – बालकृष्ण ओझा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनूप कुमार को ज्ञापन सौंपा । मांग किया कि गैर मान्यता विद्यालयो को बंद कराते हुए विधिक कार्यवाही की जाय जिससे परिषदीय स्कूलों में छात्रों का प्रवेश बढे।

चन्द्रिका सिंह ने बताया कि बीएसए ने शीघ्र ही कमेटी गठित कर गैर मान्यता विद्यालयों को शासन के निर्देश के क्रम में बंद कराते हुए बंद कराया जायेगा।

ज्ञापन सौंपते हुए जिला अध्यक्ष चन्द्रिका सिंह ने बताया कि जनपद में बड़ी संख्या में गैर मान्यता की विद्यालय खुले हैं जो अभिभावकों से बड़े पैमाने पर किताब , ड्रेस और अन्य सुविधाओं के लिए अच्छी रकम भी लेते हैं जिससे अभिभावकों का शोषण हो रहा है। मंत्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि विभाग द्वारा गलत मानक पर कई विद्यालयों को मान्यता दी गई है। मान्यता लेते समय डिग्री धारक शिक्षकों को दिखाया गया परंतु वर्तमान में इंटर पास और मानक में पूरा न करने वाले लोगों से शिक्षण कार्य जा रहा है । मान्यता प्राप्त विद्यालयों में परिषदीय विद्यालयों के ही पुस्तकों से पठन–पाठन कराया जाना है जबकि भारी भरकम कमीशन लेकर महंगी किताबों से पठन–पाठन करवाया जा रहा है । यह अभिभावकों का शोषण है। कहा कि परिषदीय विद्यालयों को बंद करा देने की सोची समझी साजिश रची जा रही है और निजी स्कूलों को बढाया दिया जा रहा है। अभिभावकों को भी अपना नजरिया बदलना होगा। जब सुयोग्य शिक्षक उपलब्ध हैं तो निजी स्कूलों का मोह त्यागना होगा।

जनपदीय कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि गैर मान्यता विद्यालय खुलने से परिषदीय विद्यालय में भी छात्रों की संख्या प्रभावित हो रही है । संघ द्वारा आने वाले समय में समस्त उपजिलाधिकारियों को विद्यालय बन्द कराने हेतु ज्ञापन दिया जाएगा। कार्यवाही न होने पर शिक्षक आन्दोलन के लिए भी बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपने वालों में सन्तोष पाण्डेय, प्रवीन श्रीवास्तव, वेद उपाध्याय, मुरलीधर, अखिलेश पाण्डेय,सुधीर तिवारी ,उमाकांत शुक्ला, मुस्तकीम ,धर्मेंद्र ,अनीश अहमद, मनोज उपाध्याय, संतोष मिश्रा ,सनद पटेल ,प्रभाकर पटेल ,राकेश सिंह, शिवनाथ चौधरी ,अनूप सिंह, प्रताप नारायण चौधरी ,गुरु चरण,मुक्तेश्वर यादव, घनश्याम, शिव प्रकाश सिंह, रजनीश यादव, सुशील गहलोत आदि शामिल है।

कानपुर में रेल हादसा, 20 डिब्बे पटरी से उतरे

कानपुर (आभा)। कानपुर जिले में ट्रेन हादसा हो गया। वाराणसी से अहमदाबाद जा रही साबरमती एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 19168) के 20 डिब्बे पटरी से उतर गए। इस ट्रेन हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है। ट्रेन हादसे के चलते कई ट्रेनों का रद्द कर दिया गया है। साथ ही कुछ ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है।

रेलवे ने 6 ट्रेनों को रद्द किया है। इनमें 01823/01824 झांसी–लखनऊ, 11109 वी झांसी–लखनऊ जंक्शन, 01802/01801 कानपुर–मानिकपुर, 01814/01813 कानपुर–वी झाँसी, 01887/01888 ग्वालियर–इटावा, 01889/01890 ग्वालियर–भिण्ड ट्रेनों को रद्द किया गया है।

जानलेवा हमले के मामले में शिवसेना, विश्व हिन्दू महासंघ ने सौंपा ज्ञापन

–दोषियों के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय, विश्व हिन्दू महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। इसी क्रम में एसपी को भी ज्ञापन देकर मांग किया कि शिवसेना के जिला उप प्रमुख विकास चौधरी पर जान लेवा हमले के मामले में दोषियों के विरूद्ध मुकदमा पंजीकृत कराकर न्याय दिलाया जाय।

ज्ञापन देने के बाद शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि गत 10 अगस्त को पुरानी रंजिश और लेन देने के मामले में शिवसेना के जिला उप प्रमुख विकास चौधरी पर जान लेवा हमले किया। शिव सेना पदाधिकारियों ने पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर को पत्र देकर मामले में दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और विकास चौधरी एवं उनके परिजनों के जान माल के रक्षा की मांग किया गया। इसके बावजूद अभी तक दोषियों के विरूद्ध न तो मुकदमा पंजीकृत किया गया न ही कोई कार्रवाई किया। कहा कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता चरणबद्ध ढंग से आन्दोलन जारी रहेगा।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक को दिये ज्ञापन में कहा गया है कि शिवसेना के जिला उप प्रमुख विकास चौधरी वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के कल्यानपुर गांव के निवासी हैं, गांव के ही धर्मेन्द्र मौर्या पुत्र जयराम, लक्ष्मी देवी पत्नी धर्मेन्द्र आदि से पुरानी रंजिश चल रही है। इसे लेकर गत 10 अगस्त को कल्यानपुर प्राथमिक विद्यालय के पास पंकज चौधरी की कार पर धर्मेन्द्र मौर्या और उनके परिवार के लोगों ने लाठी डण्डों से हमला बोल दिया। कार को विकास चौधरी चला रहे थे। इस दौरान गाडी की डिक्की तोड़कर धर्मेन्द्र मौर्या आदि ने 25 हजार रूपया छीन लिया और विकास को मारा पीटा। विकास ने गाड़ी छोड़कर किसी तरह से अपनी जान बचाया। वाल्टरगंज पुलिस ने इस सम्बन्ध में धर्मेन्द्र मौर्या की तहरीर पर विकास चौधरी, विनोद चौधरी, सतीश चौधरी, कनिकराम गौतम के विरूद्ध बी.एन.एस. की धारा 115 (2), 352, 351 (2) और 351 (3) के तहत मुकदमा पंजीकृत किया है किन्तु विकास चौधरी का मुकदमा अभी तक पंजीकृत नहीं किया गया है।

ज्ञापन देने वालों में विनोद कुमार, बलराम प्रजापति, शिवसागर यादव, बब्लू गौतम, परमात्मा चौधरी, राजकपूर, जितेन्द्र कुमार, राजू, श्रीकान्त चौधरी, नागेन्द्र मिश्र, अजीत कुमार, हरिओम, दिनेश सिंह, शिवेश शुक्ल, अनिल कुमार, उर्मिला, मूर्ति, मालती देवी, फूलमती, चन्द्रावती गौतम, गीता देवी, प्रभावती, मंजू देवी, ऊषा किरन, मुराती देवी, केशरी देवी, केशमती, उर्मिला, आशा देवी, काजल के साथ ही शिवसेना और विश्व हिन्दू महासंघ के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

परम्परागत ढंग से मनाया गया रक्षा बंधन का पर्व

–संवेदनाओ से है रक्षाबंधन का रिश्ता- सानू एन्टोनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राजन इण्टर नेशनल एकेडमी में भाई बहन के प्रेम को समर्पित रक्षा बंधन का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। छात्राओं ने प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी के संयोजन में कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय, प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी, शिक्षकों और छात्रों को रक्षा बंधन बांधा।

कार्यकारी निदेशक संजीव पाण्डेय ने छात्रों को रक्षाा बंधन पर्व की विशेषता बताया। कहा कि यह पर्व भाई –बहन के रिश्तों की अटूट डोर का प्रतीक है। भारतीय परम्पराओं का यह एक ऐसा पर्व है, जो केवल भाई बहन के स्नेह के साथ साथ हर सामाजिक सम्बन्ध को मजबूत करता है इस लिये यह पर्व भाई–बहन को आपस में जोडने के साथ साथ सांस्कृतिक, सामाजिक महत्व भी रखता है। उन्होने छात्रों से कहा कि इस रक्षा बंधन को सामान्य धागा समझने की भूल मत करना। यह परस्पर प्रेम, त्याग और समय आने पर बहन की रक्षा के लिये सर्वस्व न्यौछावर करने का पर्व है।

प्रधानाचार्य सानू एन्टोनी ने छात्रों को रक्षाबंधन पर्व की शुभकामना दिया। कहा कि रक्षा बंधन का पर्व विशेष रुप से भावनाओं और संवेदनाओं का पर्व है. एक ऐसा बंधन जो दो जनों को स्नेह की धागे से बांध ले। रक्षा बंधन को भाई – बहन तक ही सीमित रखना सही नहीं होगा. बल्कि ऐसा कोई भी बंधन जो किसी को भी बांध सकता है। भाई – बहन के रिश्तों की सीमाओं से आगे बढ़ते हुए यह बंधन आज गुरु का शिष्य को राखी बांधना, एक भाई का दूसरे भाई को, बहनों का आपस में राखी बांधना और दो मित्रों का एक–दूसरे को राखी बांधना, माता–पिता का संतान को राखी बांधना हो सकता है।

प्ले वे से इण्टर मीडिएट तक के छात्र–छात्राओं ने रक्षाबंधन की खुशियों को साझा किया। कार्यक्रम में रेखा श्रीवास्तव, प्रमिला शुक्ला, शिक्षा बरनवाल, प्रभा त्रिपाठी, नीलम श्रीवास्तवा, निशु उपाध्याय, अर्चना पटेल, श्वेता त्रिपाठी, अर्चना द्विवेदी, सुमन दुबे, आकृति पांडे, पूनम, शालिनी, संगीता, जेरीन, मनीषा गुप्ता, अभिषेक पटेल, माया सिंह, माया शुक्ला, श्रद्धा, आकृति साहू, वेदिका, सिमरन, देविका, सुष्मिता मन्ना, संजय, नलिन, अमित मिश्रा, मनीषा गुप्ता, शिवांश उपाध्याय, सौरभ पाण्डेय, जीत यदुवंश, मनीष मिश्रा, रामस्वरूप यादव अखिलेश, मोहम्मद अजीम, अरुण बहादुर श्रीवास्तव, राम निरंजन गुप्ता के साथ ही सैकड़ो छात्रों ने हिस्सा लिया।

दिव्यांगों में स्मार्टफोन, सिलाई मशीन, स्मार्ट विजन ग्लास का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में वॉयस ऑफ एसएपी 'वीओएसएपी' के सौजन्य से 32 (विभिन्न दिव्यांगता से ग्रसित) दिव्यांगजनों को संस्था शिक्षित युवा सेवा समिति –बस्ती के माध्यम से स्मार्टफोन, सिलाई मशीन, स्मार्ट वीजन ग्लास,ह्वील चेयर, हियरिंग एड वितरित किया गया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी द्वारा नामित जिला पूर्ति अधिकारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि दिव्यांगों को राष्ट्र की मुख्य धारा में लाने के लिए इन्हें तकनीकी रूप से सक्षम करना होगा। उन्होने दिव्यांगों को अवगत कराया कि ऐसे जितने भी दिव्यांग है जिनके पास अपने नाम से जमीन नहीं है उन सभी दिव्यांगजनों अन्तोदय कार्ड कार्ड हेतु जल्द से जल्द आवेदन करें विभाग द्वारा प्राथमिकता के आधार पर उनका अन्तोदय कार्ड निर्गत किया जायेगा।

उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग मण्डल बस्ती ने शिक्षित युवा सेवा समिति के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि संस्था दिव्यांगों के शिक्षा एवं पुनर्वास के लिए हमेशा सक्रिय भूमिका निभाती रही है,साथ ही सभी दिव्यांगजनों से कहा कि उनके विभाग से मिलने वाली हर सहायता उन तक जल्दी से जल्दी कैसे पहुंचे विभाग सक्रिय भूमिका का निर्वहन करता रहेगा।

वीओएसएपी के संस्थापक प्रणव देसाई जी ने अमेरिका से आनलाईन अपने सम्बोधन में कहा कि भविष्य में भी बस्ती जनपद के दिव्यांगजनों को उक्त उपकरणों को प्रदान करने में पूरा सहयोग करता रहूंगा।

शिक्षित दिवस सेवा समिति के निदेशक गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि संस्था दिव्यांगों के प्रति हमेशा संवेदनशील रही है उनका प्रयास होगा कि जनपद के दिव्यांगजनों को तकनीकी रूप से सक्षम करने के साथ –साथ दिव्यांगजनों हेतु जितनी भी राष्ट्रीय योजनाएं हैं उसका लाभ उन तक पहुंच सके, जिससे वे आत्मनिर्भर होने के साथ –साथ राष्ट्र विकास में भी अपनी भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के वरिष्ठ अध्यापक विनोद कुमार उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम में जिन दिव्यांगजनों का को सामग्रियां वितरित की गई उनमें प्रमुख रूप से – अमर सिंह,ज्योति,फरीदा खातून विवेक,सर्विका,अनुज, आराध्या, सलमान सहित ३२ दिव्यांग जन शामिल रहे। कार्यक्रम में संस्था के विशेष अध्यापक राम जी शुक्ल, पूनम सिंह, जीतेन्द्र श्रीवास्तव, राघवेन्द्र मिश्र, चांदनी त्रिपाठी,राम सुरेश, अनुसुइया शाहित दिव्यांग जनों के परिवारजन एवं अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे ।

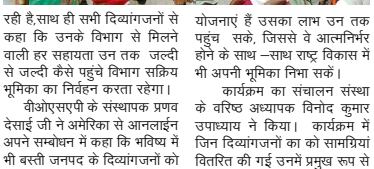

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 18 अगस्त 2024 शनिवार

सम्पादकीय

कश्मीर, हरियाणा में चुनाव

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर विधानसभा के लिये चुनावों की घोषणा कर दी गई है। वहीं हरियाणा में एक माह पूर्व चुनाव कराने की घोषणा हुई है। जे एंड के राज्य में तीन चरणों में मतदान 18 व 25 सितंबर व एक अक्तूबर को होगा। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने तीस सितंबर तक राज्य में विधानसभा चुनाव कराने के आदेश दिये थे। उल्लेखनीय है कि जे एंड के में अनुच्छेद 370 निरस्त करने के बाद इसे दो केंद्रशासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया था। तब से राज्य में राष्ट्रपति शासन चला आ रहा था। बहरहाल, परिसीमन प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब चुनावी परिदृश्य बदल गया है। एक ओर जम्मू क्षेत्र में परिसीमन के बाद विधानसभा सीटों की संख्या 37 से बढ़कर 43 हो गई हैं, वहीं कश्मीर विधानसभा क्षेत्रों की संख्या 46 से बढ़कर 47 हो गई हैं। निश्चित तौर पर परिसीमन से बदलाव का असर राजनीतिक परिदृश्य पर पड़ेगा। लेकिन हाल के दिनों में राज्य में जैसे सिलसिलेवार तरीके से आतंकी हमले हुए हैं, वहां शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान कराना एक बड़ी चुनौती होगी। हाल के दिनों में आतंकवादियों ने अपनी रणनीति व सक्रियता के क्षेत्रों में बदलाव किया है। वे अब हिंदू–बहुल क्षेत्रों को निशाना बना रहे हैं जहां लंबी शांति व अन्य कारणों से सुरक्षा बलों की संख्या कम की गई थी। वहीं मुस्लिम बहुल कश्मीर में आतंकी गतिविधियां कम नजर आई हैं। ऐसी स्थिति में भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सामने शांतिपूर्ण चुनाव प्रचार व मतदान सुनिश्चित करने की बड़ी चुनौती होगी। निश्चित रूप से भारत विरोधी ताकतें इन चुनावों में बाधा डालने का प्रयास करेंगी। मतदाता निर्भय होकर मतदान करने निकलें इसके लिये अनुकूल माहौल बनाना जरूरी होगा। एक ओर जहां जम्मू में भाजपा व कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला नजर आता है, वहीं दूसरी ओर कश्मीर में मैदान खुला होगा। जहां फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस तथा महबूबा मुफ्ती की पीडीपी के साथ ही सज्जाद लोन की जेएंडके पीपुल्स कॉन्फ्रेंस, अल्ताफ बुखारी की जेएंडके अपनी पार्टी व पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद की पार्टी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी मैदान में होगी। आशंका है कि कट्टरपंथी रुझान वाले आजाद उम्मीदवार भी मुकाबले में आ सकते हैं।

वहीं दूसरी ओर दिल्ली से सटे हरियाणा में भी विधानसभा के लिये चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी गई है। यहां एक ही चरण में एक अक्तूबर को चुनाव होंगे और चार अक्तूबर को जम्मू–कश्मीर के साथ ही चुनाव परिणामों की घोषणा की जाएगी। जाहिरा तौर पर एक दशक से राज्य की सत्ता पर काबिज भाजपा को सत्ता विरोधी लहर का मुकाबला करना पड़ सकता है। जिसकी बानगी पिछले महीनों में हुए लोकसभा चुनावों में नजर आई थी। हालिया लोकसभा चुनाव में पांच सीटें जीतने से उत्साहित कांग्रेस पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। यदि पिछली बार के विधानसभा चुनावों की तरह ही इस बार भी किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो इंडियन नेशनल लोकदल और जननायक जनता पार्टी जैसे दलों की भूमिका किंगमेकर की हो सकती है। दरअसल, हरियाणा विधानसभा का कार्यकाल तीन नवंबर को खत्म हो रहा है। हरियाणा में लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने मनोहर लाल को मुख्यमंत्री पद से हटाकर नायब सैनी को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन इसके बावजूद वर्ष 2019 में दस में से दस लोकसभा सीटें जीतने वाली भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में पांच सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था। इससे पहले बीजेपी व जेजेपी गठबंधन में खटास पड़ गई थी। दुष्यंत चौटाला के अलग होने पर भाजपा ने निर्दलीयों की मदद से सरकार चलाई। बहरहाल, राज्य में भाजपा व कांग्रेस में कड़े मुकाबले का कयास राजनीतिक पंडित लगा रहे हैं। दरअसल, हाल ही में चुनाव आयुक्तों द्वारा चुनाव संबंधी तैयारियों का जायजा लेने के लिये हरियाणा का दौरा करने के बाद संकेत मिलने लगे थे कि जल्दी चुनाव कार्यक्रमों की घोषणा की जा सकती है। हरियाणा के बाईस जिलों में नब्बे सीटों में 73 सामान्य व 17 आरक्षित हैं। राज्य के दो करोड़ के करीब मतदाता नब्बे सीटों पर प्रत्याशियों के भविष्य का फैसला करेंगे। विश्वास किया जाना चाहिए कि इस चुनाव के जरिये जागरूक मतदाता लोकतांत्रिक परंपराओं को समृद्ध करने में रचनात्मक भूमिका निभाएंगे।

तानाशाह नहीं हैं प्रधानमंत्री मोदी

—प्रो. संजय द्विवेदी—

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में कुछ तो खास है कि वे अपने विरोधियों के निशाने पर ही रहते हैं। इसका खास कारण है कि वे अपनी विचारधारा को लेकर स्पष्ट हैं और लीपापोती, समझौते की राजनीति उन्हें नहीं आती। राष्ट्रहित में वे किसी के साथ भी चल सकते हैं, समन्वय बना सकते हैं, किंतु विचारधारा से समझौता उन्हें स्वीकार नहीं है। उनकी वैचारिकी भारतबोध, हिंदुत्व के समावेशी विचारों और भारत को सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने की अवधारणा से प्रेरित है। यह गजब है कि पार्टी के भीतर अपने आलोचकों पर भी उन्होंने कभी अनुशासन की गाज नहीं गिरने दी,यह अलग बात है कि उनके आलोचक राजनेता ऊबकर पार्टी छोड़ चले जाएं। उन्हें विरोधियों को नजरंदाज करने और आलोचनाओं पर ध्यान न देने में महारत हासिल है। इसके उलट पार्टी से नाराज होकर गए अनेक लोगों को दल में वापस लाकर उन्हें सम्मान देने के अनेक उदाहरणों से मोदी चकित भी करते हैं।

किसी व्यक्ति की लोकतांत्रिकता उसकी अपने दल के साथियों से किए जा रहे व्यवहार से आंकी जाती है। मोदी यहां चौंकाते हुए नजर आते हैं। वे दल के सर्वोच्च नेता हैं किंतु उनका व्यवहार 'आलाकमान' सरीखा नहीं है। आप उन्हें तानाशाह भले कहें, किंतु तटस्थ विश्लेषण से पता चलता है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद आजतक उनकी आलोचना करने वाले अपने किसी साथी के विरुद्ध उन्होंने कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं होने दी। कल्पना करें कि किसी अन्य दल में अपने आलाकमान या सर्वोच्च नेता की आलोचना करने वाला व्यक्ति कितनी देर तक अपनी पार्टी में रह सकता है। नरेंद्र मोदी यहां भी रिकार्ड बनाते हैं। जबकि भाजपा में अनुशासन को लेकर कड़ी कार्रवाईयां होती रही हैं। भाजपा और जनसंघ के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलराज मधोक से लेकर कल्याण सिंह, उमा भारती, बाबूलाल मरांडी, बीएस येदुरप्पा जैसे दिग्गजों पर कार्रवाइयां हुईं हैं, तो गोविंदाचार्य पर भी एक कथित बयान को लेकर गाज गिरी। उन्हें अध्ययन अवकाश पर भेजा गया, जहां से आजतक उनकी वापसी नहीं हो सकी है। मोदी का ट्रैक अलग है। वे आलोचनाओं से घबराते नहीं और पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र की छूट देते हुए अपने आलोचकों को भरपूर अवसर देते हैं।

यह कहा जा सकता है कि मोदी आलोचनाओं के केंद्र में रहे है, इसलिए इसकी बहुत परवाह नहीं करते हैं। वे कहते भी रहे हैं कि उनके निंदक जो पत्थर उनकी ओर फेंकते हैं, उससे वे अपने लिए सीढ़ियां तैयार कर लेते हैं। 2014 में उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद पार्टी के भीतर भी उनके आलोचकों और निंदकों की पूरी फौज सामने आती है, जो तमाम मुद्दों पर उन्हें घेरती रही है। आश्चर्यजनक रूप से मोदी उनके विरुद्ध पार्टी के अनुशासन तोड़ने जैसी कार्यवाही भी नहीं होने देते हैं। इसमें पहला नाम गाँधी परिवार से आने वाले वरुण गांधी का है, जिन्हें भाजपा ने सत्ता में आने के बाद संगठन में महासचिव का पद दिया। वे सांसद भी चुने गए। किंतु पार्टी संगठन में उनकी निष्क्रियता से महासचिव का पद चला गया और वे मोदी के मुखर आलोचक हो गए। अपने बयानों और लेखों से मोदी को घेरते रहे। बावजूद इसके न सिर्फ उनको 2019 में भी लोकसभा का टिकट मिला, बल्कि आज भी वे पार्टी के सदस्य हैं। खुलेआम आलोचनाओं और अखबारों में लेखन के बाद भी उन्हें आज तक एक नोटिस तक पार्टी ने नहीं दीया है। हां, इस बार वे टिकट से जरूर वंचित हो गए। उनकी जगह कांग्रेस से आए जितिन प्रसाद को पीलीभीत से लोकसभा का टिकट मिल गया। जतिन जीत भी गए।

दूसरा उदाहरण फिल्म अभिनेता और अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में मंत्री रहे शत्रुघ्न सिन्हा का है। सिन्हा मोदी के मुखर आलोचक रहे और समय–समय पर सरकार पर टिप्पणी करते रहे। अंततः वे भाजपा छोड़कर पहले कांग्रेस, फिर तृणमूल कांग्रेस में चले गए। अब वे आसनसोल से तृणमूल के सांसद हैं। यही कहानी पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता यशवंत सिन्हा की है। उन्होंने भी मोदी विरोधी सुर अलापे और अंततः पार्टी छोड़कर चले गए। उनके पार्टी छोड़ने के बाद भी उनके बेटे जयंत सिन्हा को 2019 में भाजपा ने लोकसभा की टिकट दी। जयंत सिन्हा मोदी सरकार में मंत्री भी रहे। इस बार जयंत का टिकट कट गया। ऐसे ही उदाहरणों में क्रिकेटर कीर्ति आजाद भी हैं। मोदी सरकार के विरुद्ध उनके बयान चर्चा में रहे, संप्रति वे तृणमूल कांग्रेस के साथ हैं।

लेखक और दिग्गज पत्रकार अरुण शौरी, अटल जी की सरकार में मंत्री रहे। उनका बौद्धिक कद बहुत बड़ा है। एक इंटरव्यू में अरुण शौरी ने कहा कि "नरेंद्र मोदी के बारे में उनके अधिकारी ही मुझे कहते हैं कि उनके सामने बोल नहीं सकते। मंत्री डरे हुए रहते हैं। कोई कुछ बोल नहीं पाता है उनके सामने। उनके सामने जाने और कुछ भी कहने से पहले लोग डरे रहते हैं और सोच समझकर बोलते हैं। हालांकि अटल जी की पर्सनालिटी ऐसी थी कि लोग उनसे अपनी बात कहना चाहते थे और वह सुनते भी थे। उनकी एक खास बात यह भी थी कि वह भी यह जानना चाहते थे कि लोग उनके बारे में क्या सोचते हैं। वह पूछा करते थे और लोग बिना किसी डर के बताते भी थे।" तीखी आलोचनाओं के बाद भी मोदी का उनके प्रति सौजन्य कम नहीं हुआ और वे शौरी की बीमारी में उन्हें देखने अस्पताल जा पहुंचे और उनके परिजनों से भी मुलाकात की। अरुण शौरी और पीएम मोदी के रिश्तों में उस समय सबसे ज्यादा खटास देखी गई, जब अरुण शौरी यशवंत सिन्हा के साथ राफेल मामले को सुप्रीम कोर्ट लेकर पहुंच गए। यहां पर उन्होंने मामले की जांच और सौदे पर सवाल उठाए थे। हालांकि सुप्रीम कोर्ट में सरकार को क्लीन चिट मिल गई। रिश्तों में आई खटास के बावजूद भी पीएम मोदी ने पुणे स्थित अस्पताल में अरुण शौरी से मुलाकात की। इस मुलाकात के फोटो शेयर करते हुए लिखा– "आज पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण शौरी जी से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उनके साथ इस दौरान बहुत अच्छी बातचीत हुई। हम उनकी दीर्घायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना करते हैं।"

अपने तीखे तेवरों के चर्चित सुब्रमण्यम स्वामी कभी जनसंघ–भाजपा से जुड़े रहे। बाद में वे भाजपा से अलग होकर जनता पार्टी के अध्यक्ष बने। केंद्र में मंत्री भी बने। 2014 में सत्ता में आने के बाद मोदी ने स्वामी को राज्यसभा के लिए भेजा। स्वामी इससे कुछ अधिक चाहते थे। जाहिर है इन दिनों वे मोदी के प्रखर आलोचक बने हुए हैं। किंतु उनकी आलोचनाओं पर मोदी या भाजपा ने कभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। एक साक्षात्कार में स्वामी ने कहा कि "मैं बीजेपी का हिस्सा हूं..मैं इनके साथ लंबे समय से साथ हूं। मुझे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी से भी दिक्कत थी लेकिन इतनी समस्या नहीं थी, जितनी कि पीएम नरेंद्र मोदी से है।"

भाजपा छोड़कर जा चुके पूर्व केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान को वापस लाकर मोदी ने उन्हें केरल के राज्यपाल पद से नवाजा। राज्यपाल के पद पर बैठकर मोदी की आलोचना करते रहे सत्यपाल मलिक को भी प्रधानमंत्री पद से नहीं हटाते, बल्कि कार्यकाल पूरा करने का अवसर देते हैं। जबकि राज्यपाल एक संवैधानिक पद है और उस पद पर बैठे व्यक्ति को केंद्र सरकार की सार्वजनिक आलोचना से बचना चाहिए। किंतु सतपाल मलिक ऐसा करते रहे और मोदी उनकी सुनते रहे। इसी तरह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी नाराज होकर पार्टी से बाहर थे और अपनी पार्टी बनाकर सक्रिय थे। भाजपा ने मोदी के कार्यकाल में न सिर्फ उनकी पार्टी में वापसी सुनिश्चित की बल्कि उन्हें झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद भी दिया। नाराज होकर भाजपा दो बार छोड़ चुके कल्याण सिंह(अब स्वर्गीय) को राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया। उनके पुत्र राजबीर को लोकसभा की टिकट और पौत्र संदीप सिंह को उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री का पद मिला है। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री रहीं उमा भारती भी 'भाजपा के अनुशासन चक्र' का शिकार रहीं। मोदी ने उन्हें अपनी सरकार में मंत्री बनाया और उनके साथ भाजपा छोड़कर गए प्रहलाद सिंह पटेल मोदी सरकार में राज्यमंत्री बने। अब पटेल मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। ये उदाहरण बताते हैं मोदी अपने लोगों के प्रति खासे उदार हैं। वे अपनी 'निजी आलोचना' की बहुत परवाह नहीं करते और गांठ नहीं बांधते। निजी रिश्तों को राजनीति से ऊपर रखते हैं। वे शरद पवार के अभिनंदन समारोह में शामिल हो सकते हैं, मुलायम सिंह यादव के परिवार में आयोजित विवाह समारोह में भी इटावा भी जा सकते हैं। उनकी ताकत है कि वे कश्मीर में महबूबा मुफ्ती के साथ भाजपा की सरकार बनाने की अनुमति दे सकते हैं। राजनीतिक समझ–बूझ के साथ अपने वैचारिक आग्रहों पर डटे रहना मोदी की विशेषता है। इसलिए वे भारतीय राजनीति की पिच पर आज भी मजबूती से जमे हुए हैं।

—(लेखक भारतीय जन संचार संस्थान(आईआईएमसी), नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक हैं।)

महिला डॉक्टर से दुष्कर्म–हत्या से जुड़े सवाल

—ललित गर्ग—

कोलकाता के एक मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के दुराचार, बलात्कार व बर्बर हत्या पर स्वाभाविक ही देशभर के आमजन में तीखी प्रतिक्रिया एवं डॉक्टरों तीव्र रोष, गम और गुस्सा है, उसे समझा जा सकता है। जीवन–रक्षा करने वाले अस्पतालों एवं जीवन–रक्षक डाक्टरों पर हो रहे हमले, बर्बर एवं वीभत्स घटनाएं चिन्तनीय है। यह सरकारों एवं पुलिस की असफलता, लापरवाही एवं कोताही को ही दर्शा रही है। ऐसी घटनाओं में पुलिस की भूमिका अनेक सवाल खड़े कर रही है। कोलकाता की इस घटना ने एक बार फिर इस तथ्य की ओर ध्यान खींचा है कि अस्पतालों में डॉक्टरों को किस तरह के खतरों के बीच काम करना पड़ता है। डॉक्टर अपनी सुरक्षा को लेकर भी डरे एवं सहमे हुए हैं। लेडी डॉक्टर्स ही नहीं, पुरुष डॉक्टर भी तरह–तरह के हमलों की आशंकाओं एवं असुरक्षा के बीच जीते हैं। सबसे बड़ी बात यह कि घटना के बाद भी पुलिस संतोषनक कार्रवाई नहीं कर सकी। डॉक्टरों की बुनियादी मांग यह है कि इस घटना की निष्पक्ष और विश्वसनीय जांच सुनिश्चित की जाए।

यह घटना दर्दनाक होने के साथ–साथ अमानवीयता एवं क्रूरता की पराकाष्ठा थी, क्योंकि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में महिला डॉक्टर की आंखों, मुंह और प्राइवेट पार्ट से खून बहने के अलावा उसके शरीर पर चोट के कई निशान मिलने की बात कही गई है। इस त्रासद एवं खौफनाक घटना के विरोध में देशभर में गुस्साए और फिक्रमंद डॉक्टर बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं, जिससे अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं चरमरा गयी हैं एवं सभी हिस्सों में ओपीडी सेवाएं बाधित एवं प्रभावित हो रहीं। जाहिर है, इससे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अब चूंकि इस मामले का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने इसकी जांच सीबीआई को सौंप दी है और राज्य पुलिस को सारे कागजात बुधवार 10 बजे तक सीबीआई को सौंपने की हिदायत दी है, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि मामले की संतोषजनक जांच होगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या अस्पतालों में सिर्फ डॉक्टर ही खतरे में होते हैं? डॉक्टरों के साथ नर्स, अन्य स्वास्थ्यकर्मी एवं रोगी भी कहां सुरक्षित हैं? हालांकि हड़ताली डॉक्टरों ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा को मुद्दा बनाया है, लेकिन नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों पर हमले कभी इतना बड़ा मुद्दा क्यों नहीं बनते? मसला मरीजों की सुरक्षा का भी है। 2024 में अस्पतालों में हुए यौन हमलों के हर पांच में से चार मामलों में पीड़ित महिला मरीज रही हैं। सवाल यह भी है कि अस्पतालों में ओवरचार्ज के रूप में मरीजों पर होने वाले वित्तीय हमलों को क्यों चर्चा से बाहर रखना चाहिए? आखिर अस्पतालों में बनते असुरक्षा के माहौल का यह भी एक अहम पहलू है। हमारे अस्पताल हर तरह से सुरक्षित होने चाहिए और इसके लिए सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। संभवतः इसीलिए हड़ताली डॉक्टरों की एक प्रमुख मांग यह है कि हेल्थकेयर वर्कर्स की सुरक्षा के लिए देश में एक नया केंद्रीय कानून बनाया जाए।

बढ़ते डॉक्टरों पर हमलों के कारण उनका डर और उनकी चिंता जायज है। लेकिन जहां तक केंद्रीय कानून की मांग है तो सवाल यह है कि क्या कोलकाता में लेडी डॉक्टर पर हुआ हमला कड़े कानूनों की कमी का परिणाम माना जा सकता है? सच यह है कि ज्यादातर राज्यों में मेडिकेयर सर्विस पर्सन्स और मेडिकेयर सर्विस इंस्टीट्यूशंस (हिंसा या क्षति या संपत्ति के नुकसान की रोकथाम) अधिनियम पहले से ही लागू है। अब तो हर अस्पताल में डाक्टरों पर हमलों के लिये चेतावनी के बोर्ड देखने को मिलते है कि ऐसी घटनाओं को अपराध मानते हुए उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। मगर इन राज्यों में भी इसके तहत दर्ज मामलों में दस फीसदी भी आरोप तय होने के बाद अदालत तक पहुंच पाते है। जाहिर है, मूल समस्या कानून में नहीं, उस पर अमल में है। अदालत ने उचित ही आंदोलित डॉक्टरों को उनके पवित्र एवं पावन दायित्व का एहसास कराया है और उनसे अपने काम पर लौटने की अपील की है। आखिर किसी जालिम की करतूत की सजा बेकसूर मरीजों को क्यों मिलनी चाहिए? इसलिये न्याय मांगते डॉक्टरों को भी सोचना चाहिए कि इंसाफ का तकाजा क्या यह भी नहीं है कि किसी मरीज से नाइंसाफी न हो?

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के एक अध्ययन के अनुसार, 75 प्रतिशत से अधिक डॉक्टरों को काम पर हिंसा का सामना करना पड़ता है। तूतीकोरिन में एक महिला डॉक्टर की हत्या एक गर्भवती महिला के पति ने की थी, जिसे गंभीर हालत में भर्ती कराया गया था। उसे दूसरे अस्पताल में रेफर किया गया था, लेकिन उसे स्थानांतरित किए जाने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पति ने तीन साथियों के साथ महिला डॉक्टर के परामर्श कक्ष में प्रवेश किया और उस पर तलवार से हमला किया। 2014 में, पंजाब के मनसा जिले में एक लड़के की मौत के बाद एक डॉक्टर के क्लिनिक को जला दिया गया था, जिसे तृतीयक अस्पताल में रेफर किया गया था, लेकिन उसकी मौत हो गई। भारत भर में डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा की असंख्य घटनाएं लगभग हर दिन सामने आती हैं, जिनमें से कुछ में गंभीर चोटें भी आती हैं। यहां तक कि देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली जैसे संस्थान भी इससे अछूते नहीं हैं।

पश्चिम बंगाल में बात केवल राजनीतिक हिंसा एवं आक्रामकता की ही नहीं है बल्कि कुशासन एवं अराजकता की भी है। वहां आमजनता के साथ साथ अस्पतालों की सुरक्षा भी खतरे में है। इसका एक उदाहरण चुनाव से पहले कोलकाता के एनआरएस मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 10 जून की रात को सामने आया था, वह भी एक काला अध्याय ही था। इलाज के दौरान एक बुजुर्ग मरीज की मृत्यु के बाद एक वर्ग विशेष के लोगों ने डॉक्टरों पर हमला बोल दिया था, जिससे कई डॉक्टर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। भारत में डॉक्टर को लगभग भगवान का दरजा मिला हुआ है। ऐसे में, आमतौर से उन पर हमला किसी ऐसे निरंकुशता और असंवेदनशीलता की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जाना चाहिए, जो तंत्र से पोषित एवं संरक्षित होता है। उसकी हिंसा का समर्थन नहीं किया जा सकता, पर इसे किसी शून्य की उपज भी नहीं कह सकते। लेकिन ताजा घटना में महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ जो हुआ, उसने तो सारी सीमाएं लांघ दी है।

इस हत्याकांड ने एक बार फिर पश्चिम बंगाल सरकार एवं पुलिस–प्रशासन को सवालों के कठघरे में खड़ा कर दिया है। खुद अदालत ने सवाल किया कि आखिर शुरुआत से ही हत्या के बजाय अस्वाभाविक मौत के नजरिये से जांच क्यों की गई? फिर 9 अगस्त को घटी इस घटना में उसने जिस आरोपी को हिरासत में लिया है, वह एक पुलिस का वॉलंटियर बताया जाता है।

विरोध प्रदर्शन और आम जनता

—विपिन पब्बी—

सार्वजनिक परिवहन चालकों के आंदोलन पर जाने या किसी न किसी कारण से विरोध करने वालों द्वारा ट्रेनों को रोकने की घटनाएं अक्सर हुई हैं। बच्चों और बुजुर्गों सहित यात्रियों को घंटों या यहां तक कि कई दिनों तक फंसे रहना पड़ता है क्योंकि समाज का कोई वर्ग या कर्मचारी अपना विरोध दर्ज कराना चाहते हैं। उपरोक्त सभी मामलों और सैंकड़ों अन्य मामलों में, सरकार की कथित मूर्खता या शिकायतों को सुनने में सरकार की अनिच्छा के कारण आम लोगों को ही कष्ट उठाना पड़ता है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अस्पतालों और अन्य कार्यस्थलों पर जूनियर डाक्टरों और कर्मचारियों की सुरक्षा जैसी कुछ शिकायतें वास्तविक हैं और सरकार को कार्यस्थलों पर पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए शीघ्रता से कार्य करना चाहिए।

हालांकि, आम लोगों को, जो ऐसी सुरक्षा प्रदान करने या प्रदर्शनकारियों की मांगों के बारे में कुछ भी करने की स्थिति में नहीं हैं, इस स्थिति में डालना बिल्कुल भी उचित नहीं है। यदि प्रदर्शनकारी चाहते हैं कि सरकार कार्रवाई करे, तो उन्हें सरकार को जवाबदेह ठहराना चाहिए, राजनीतिक नेताओं के कार्यालयों और घरों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए और यदि आवश्यक हो, तो उन लोगों द्वारा आयोजित समारोहों या कार्यक्रमों में घेराव और नारे लगाने चाहिएं जो उनकी मांगों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार हैं या स्थिति में हैं। लगभग सभी ऐसे नेता सड़क अवरोधों और विरोध प्रदर्शनों से अप्रभावित रहते हैं क्योंकि वे विमानों या वाहनों के काफिले में सुरक्षा घेरे में घूमते हैं। कुछ साल पहले, हजारों किसानों ने एक लंबा विरोध प्रदर्शन किया था जो एक साल से अधिक समय तक चला था। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश करने वाले राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया।

लाखों यात्रियों को असुविधा हुई और उन्हें वैकल्पिक और लंबे मार्गों से जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं को भी संचालित नहीं होने दिया। एक साल से अधिक समय के बाद आखिरकार नाकाबंदी हटा ली गई जब 3 विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस ले लिया गया। यह एक अपवाद हो सकता है जहां लंबे समय तक विरोध प्रदर्शन ने सरकार को पीछे हटने के लिए मजबूर किया। हालांकि, अधिकांश मामलों में ऐसे विरोध विवादों का समाधान नहीं लाते हैं, लेकिन निश्चित रूप से जनता के लिए बहुत असुविधा और उत्पीडन का कारण बनते हैं। हाल ही में किसानों का एक और समूह शंभू सीमा पर राजमार्ग को अवरुद्ध कर रहा था।

हरियाणा पुलिस ने किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के प्रयास में, खुद ही सड़कें खोद दीं और किसानों को अपने ट्रैक्टर और ट्रॉलियों को राष्ट्रीय राजधानी में ले जाने से रोकने के लिए लोहे की कीलें लगा दीं। सौदेबाजी में फिर से आम आदमी को असुविधा हुई और उसे दिल्ली पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग अपनाने पड़े। इस बार सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा और पंजाब व हरियाणा सरकारों से कम से कम शंभू सीमा को आंशिक रूप से फिर से खोलने के लिए कहा।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी मे धूमधाम से मना राखी का त्यौहार

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में विगत वर्षो के भाति इस वर्ष भी भाई–बहन के अटूट प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। विद्यालय की छात्राओं ने छात्रों की कलाई में राखी बांधकर उनके सुख–समृद्धि के लिए कामना किया। भाईयों ने भी अपनी बहनों की रक्षा करने का संकल्प दोहराया। राखी बांधने के बाद बहनों ने भाईयों को मिठाई भी खिलाया तथा भाईयों ने अपनी बहनों की रक्षा का संकल्प दोहराते हुए उनको आकर्षक उपहार भेंट किये। विद्यालय के छात्राओं द्वारा पुलिस अधीक्षक गोपाल चौधरी को राखी बांधी गई तथा स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक विनय शुक्ल प्रधानाचार्य नरेंन्द्र सिंह और प्रधानाचार्या शशिप्रभा त्रिपाठी ने बच्चों को रक्षाबंधन पर्व की बधाई देते हुए पर्व की महत्ता पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर विद्यालय के आचार्य बसन्त गुप्ता, अभिनय प्रकाश पाण्डेय, श्रवण कुमार चौधरी, संतोष सिंह, राकेश पाण्डेय, सजंय प्रजापति, गंगेश सिंह, गंगेश शुक्ल, वकील चौधरी, राजेश पाण्डेय, संजय प्रजापति, शैल जी, अपूर्वा त्रिपाठी, सतनाम कौर, मधु, स्तुति मिश्रा, कमलोजन मिश्रा, नम्रता पाण्डेय, प्रेरण, शालिनी यादव आदि सहित सभी अध्यापक, अध्यापिकांए उपस्थित रहे।

"कार्ड बनाओ एवं राखी बनाओ" प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

—भारतीय बस्ती संवाददाता— बस्ती। भाई बहन का अटूट प्रेम एवं पवित्र बंधन का संदेश देने वाला त्यौहार जी.वी.एम. कान्वेंट स्कूल में बड़े ही उत्साह एवं भाव के साथ मनाया गया। इसके अंतर्गत "कार्ड बनाओ एवं राखी बनाओ" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ो बच्चों ने उत्साह से प्रतिभाग किया एवं रंग बिरंगी राखियां बनाई। विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह एवं प्रधानाचार्या विजयलक्ष्मी सिंह ने प्रतियोगिता का निरीक्षण किया। इस मौके पर संतोष सिंह ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए इस त्यौहार के महत्व पर प्रकाश डाला एवं राखी बनाने के गुण बताए। नर्सरी के बच्चों ने भी बड़े ही उमंग के साथ इस त्यौहार को मनाया। बहनों ने अपने भाइयों की कलाइयों में राखी बांधी और भाइयों ने बहनों को चॉकलेट उपहार स्वरूप दिया। कक्षा एक से प्रिसिका,अनन्या एवं अपूर्वा प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय रहे। कक्षा दो से अर्चिता,अलीशा,प्रियांशी प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय रहे। कक्षा तीन से प्रखर,इलहम,शिवांशी,प्रथम

द्वितीय एवं तृतीय कक्षा चार से सुकृति,अंकित,रिद्धि प्रथम,द्वितीय,तृतीय कक्षा पाँच से अब्दुल,अविष्का,वर्षा प्रथम द्वितीय तृतीय रहे. कक्षा छरू से साल्वी,अंशिका,यश प्रथम, द्वितीय,तृतीय रहे। कक्षा सात से दीपक, सिद्धि, श्रद्धा चौधरी प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे। कक्षा आठ से राजश्री,सक्षम,नीरज प्रथम द्वितीय एवं तृतीय रहे. कक्षा नौ से दिव्या, जान्हवी, आरूषि, प्रथम द्वितीय एवं तृतीय रहे। कक्षा दस से सपना एवं ज्योति प्रथम अविका द्वितीय एवं यशिका और प्रतिष्ठा तृतीय रहे। कक्षा ग्यारह से अमूल्या,नित्या, एवं अंशिका सामूहिक रूप से प्रथम रहे।

निर्णायक मंडल में प्रधानाचार्या विजय लक्ष्मी सिंह, अनन्या,प्रवीन,रिचा एवं रुबीना रहे। इस अवसर पर राकेश, राजेश, शैलेंद्र, सुधांशु, विजय गुप्ता, निगहत,हिना, रागिनी, अनीता, शिवांगी, किरन,ममता,सावित्री, सुधीर,गिरीश,नम्रा,सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

दिल्ली व कोलकाता की बनी राखियों से पटा बाजार

संवाददाता–महराजगंज। भाई–बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन का पर्व नजदीक आने से राखियों का बाजार गरम होने लगा है। महराजगंज शहर में आकर्षक राखियों को सजा दिए हैं। पिछले साल की तरह इस बार भी रक्षाबंधन को लेकर लोगों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। रक्षाबंधन के मौके पर महराजगंज शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र के बाजारों में रंग–बिरंगी राखियों और मिठाइयों की वेराइटी की भरमार है। महराजगंज शहर में दिल्ली, कोलकाता की बनी राखियों से पूरा बाजार पटा हुआ है। महंगाई के बाद भी स्टोन, जरकन, मेटल की राखी, कलावा के साथ रूद्राक्ष की फैंसी राखी लोग अधिक खरीद रहे हैं। महिलाएं, लड़कियां खरीदारी को लेकर काफी उत्साहित हैं। प्रधान डाकघर में राखी पोस्ट कराने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। वहीं कई महिलाओं ने तो कोरियर के माध्यम से मिठाई, राखी भेज दिया है। रक्षाबंधन के मौके पर परिवहन निगम ने भी पूरे प्रदेश की महिलाओं को सफर में निरूशुल्क सुविधा मुहैया करा दिया है। महिलाएं 18 अगस्त की रात्रि 12 बजे से लेकर 19 अगस्त रात्रि 12 बजे तक निःशुल्क यात्रा कर करेंगी। इस साल रक्षाबंधन का पर्व पांच महायोग के बीच मनाया जाएगा। आर्यावर्त ज्योतिष विज्ञान के

संस्थापक आचार्य लोकनाथ तिवारी ने बताया कि इस साल 19 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, रवि योग, शोभन योग और श्रवण नक्षत्र का महासंयोग बन रहा है। माना जाता है कि इस योग में राखी बांधने से रिश्तों में मधुरता बनी रहती है। लेकिन इस साल रक्षाबंधन के दिन भद्राकाल का साया भी रहेगा और इस काल में राखी बांधना अशुभ हो सकता है। आचार्य ने बताया कि 19 अगस्त को दोपहर में 1 बजकर 25 मिनट से लेकर रात्रि में 12 बजकर 28 मिनट तक राखी बांधना अत्यंत ही शुभ माना जाएगा। आचार्य दीपक उपाध्याय ने बताया कि रक्षा बांधने के लिए रेशम, सूती वस्त्र और धागे का भी प्रयोग किया जा सकता है, लेकिन वह रंगीन पीले या केसरिया रंग का हो।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूल वाद सं0 223/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
अब्दुल रऊफ
बनाम
रामभरोसे

1. रामभरोसे पुत्र स्व0 बुद्धिराम निवासी ग्राम व पोस्ट रैठुआ तहसील सोहावल जिला अयोध्या

तारीख पेशी 20–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर
तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूल वाद सं0 205/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
अब्दुल सलाम
बनाम
रामभरोसे

1. रामभरोसे पुत्र स्व0 बुद्धिराम निवासी ग्राम व पो0 रैठुआ तहसील सोहावल जिला अयोध्या

तारीख पेशी 20–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

158 में से 16 शिकायतों का हुआ समाधान

संवाददाता–श्रावस्ती। सभी तहसीलों में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम, एसपी समेत अन्य अधिकारियों की ओर से लोगों की शिकायत सुनकर समाधान किया गया। कुल 158 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 16 शिकायतों का निस्तारण मौके पर किया गया। तहसील इकौना में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी व पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया ने जन सुनवाई की। यहां कुल 101 शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें से सात शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों का निस्तारण करने के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया। डीएम ने कहा कि भूमि विवादों से सम्बन्धित मामलों में राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष ढंग से निस्तारण कराएं। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि यदि सरकारी भूमि, रास्तों व चकमार्गों व पट्टेदारों के भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलती है तो राजस्व व पुलिस टीम मौके पर जाकर अवैध कब्जा खाली कराएं। जिन क्षेत्रों में अवैध कब्जे की शिकायत मिलेगी तो सम्बंधित क्षेत्र के लेखपाल व राजस्व निरीक्षक की जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता की जांच की जाएगी। यदि फर्जीवाड़ा मिला तो निस्तारण करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। एसपी ने सभी थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाए। कोई भी फरियादी किसी भी थानाध्यक्ष की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने की शिकायत करता है तो सम्बन्धित थानाध्यक्ष के विरुद्ध दण्डात्मक कार्रवाई की जाएगी। भिनगा में 20 शिकायतों में से छह का व जमुनहा में 37 शिकायतों में से तीन का निस्तारण किया गया।

छात्राओं ने स्वयं बनाई राखी फिर छात्रों की कलाई पर बांधा

संवाददाता–गोण्डा। रक्षा बंधन त्यौहार के मद्देनजर शनिवार को पूर्व माध्यमिक विद्यालय मसकनवां में छात्र छात्राओं ने सामूहिक राखी बनाया। बहनों ने भाईयों को स्वंय की बनाई हुई राखी बांधकर रक्षा बंधन का त्योहार मनाया।ऐसे नवाचार से बच्चों में त्यौहारों के प्रति समझ बढ़ेगी तथा अन्य त्यौहारों के बारे में जागरूक होंगे। विद्यालय के वरिष्ठ अध्यापक विष्णुदेव शुक्ल ने छात्रों को पर्यावरण का महत्व बताते हुए पौधों की सुरक्षा व स्वच्छता का संकल्प दिलाया। उन्होनें कहा कि रक्षा बंधन के त्यौहार से आपस में एकता और भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।आलिया, शहजादी,सुमन,सनाबानो, रूखसार, करिश्मा, प्रियदर्शिनी,बबिता, अंजली, नैनसी, आयुष, ओमप्रकाश, कन्हैया, विनय, शिवम्, नितेश, विकास, शिवम, पंकज, अभय मणि ने मिलकर राखी बनाया। प्रधानाध्यापक पूरन चन्द्र गुप्त अनुदेशक कविता त्रिपाठी, अनामिका तिवारी का विशेष योगदान रहा।

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय फैजाबाद
मूलवाद सं0 48/2016
बृजेश गुप्ता
बनाम
भानुमति आदि

1. भानुमति पत्नी राधेश्याम निवासी मकान नं0–2/10/69 नाका मुज्जफरा पो0 नाका परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला–अयोध्या
2. श्रीमती प्रियम्बदा पत्नी लक्ष्मण मिश्रा निवासी निकट जयगणेश डिग्री कालेज देवकाली परगना हवेली अवध तहसील सदर जिला–अयोध्या

तारीख पेशी 20–08–2024

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 08 के 20 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अनुबंधित बस में लगी आग, एक यात्री झुलसा

संवाददाता–देवरिया। रामजानकी मार्ग पर बरहज थाना क्षेत्र के बेलडॉड़ के निकट शनिवार को दिन में करीब 12 बजे यात्रियों से भरी अनुबंधित बस में आग लग गई। यात्रियों और बस स्टाफ ने काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। एक यात्री भी झुलस गया। उसे इलाज के लिए मेडिकल कालेज ले जाया गया। देवरिया डिपो की अनुबंधित बस नम्बर यूपी 52 टी 0039 बरहज से दोहरीघाट जा रही थी। अभी वह बेलडॉड़ के निकट पहुंची थी कि उसमें धुंआ उठने लगा। यात्री कुछ समझते तब तक लपटें उठने लगी। आग लगने पर बस में अफरातफरी मच गई। किसी तरह यात्री बस से नीचे उतरे। इसी बीच एक यात्री झुलस गया। चालक और परिचालक बस वही खड़ी कर यात्री को इलाज के लिए लेकर अस्पताल चले गए। बसों में आपात स्थिति के लिए आपातकालीन द्वार होता है। बस में आग लगने पर यात्री उतरने के लिए इमरजेंसी गेट खोलने लगे, लेकिन लाख प्रयास के बाद भी नहीं खुला। किसी तरह लोग मेन गेट से उतरे। सहयोग ठीक रहा कि आग फैली नहीं। अन्यथा कई लोगों की जान मुश्किल में फंस जाती।

शस्त्र अधिनियम से संबंधित वारंटी गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। क्षेत्र भ्रमण के दौरान पुलिस ने शस्त्र अधिनियम से संबंधित वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। सिरसिया थाना प्रभारी निरीक्षक गौरव सिंह शनिवार को वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने गुंडा एक्ट व शस्त्र अधिनियम से संबंधित वारण्टी गोबरे पुत्र दर्शन निवासी जुड़पनिया थाना सिरसिया को उसके घर पर गिरफ्तार किया। वारंटी को जेल भेज दिया गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक के साथ उपनिरीक्षक सुभाष भारती व मुख्य आरक्षी विजय कुमार शामिल रहे।

प्रॉमिनेंट पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या।प्रोमिनेंट पब्लिक स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक रैली का आयोजन किया तथा प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी तथा शिक्षकों के नेतृत्व में एक रैली संस्था से विद्या कुंड चौराहे तक निकाली गई, जिसमें बच्चे स्वतंत्रता दिवस अमर रहे ,वंदे मातरम, जय हिंद आदि के नारे लगा रहे थे। इसके साथ ही स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत हुआ, जिसमें बच्चों द्वारा प्रस्तुत नन्हा मुन्ना राही हूं ,चंदा ने पूछा तारों से ,फिर भी दिल है हिंदुस्तानी ,देश रंगीला ,संदेशे आते हैं आदि देशभक्ति गानों की धुन पर नृत्य प्रस्तुत किया। उक्त अवसर पर अभिभावक,पत्रकार संपादक शिवकुमार मिश्रा, देवकीनंदन चतुर्वेदी तथा शिक्षक संदीप यादव, उषा मिश्रा, पूजा निषाद ,रत्ना, समृद्धि, खुशी, अनीता सोनकर, नीलम गुप्ता तथा प्रधानाचार्य संगीता उपस्थित थी। कार्यक्रम का जोशीला संचालन संगीता द्वारा किया गया तथा प्रबंधक राघवेंद्र अवस्थी ने कहा कि आप सभी बच्चे प्रण लो कि आप सभी

हमेशा देश की सेवा के लिए आगे रहोगे सभी मिलकर देश का विकास करेंगे तथा देश में फैले आतंकवाद को जड़ों को समाप्त करेंगे अतः खूब मेहनत करके पढ़ाई करो।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुस्कान पुनर्वास केंद्र कनीगंज अयोध्या के मूक बधिर एवं मानसिक रूप से कमजोर बच्चों ने न केवल तिरंगा यात्रा में भाग लिया वरन् संस्था में रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया जिसमें माइम भारत मां हमें भी सीमा पर जाकर देश की रक्षा करनी है। हमें भी क्रांतिवीर बनना है,नशा जहर है ,टिका लगाए दिव्यांकता से बचाये। माइम के अतिरिक्त देशभक्ति गीत सुनो और गौर से दुनिया वालों तथा जलवा, जलवा, वंदे मातरम आदि देशभक्ति गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया।

14 अगस्त को तिरंगा हमारी शान के ऊपर कला प्रतियोगिता भी हुई जिसमें बच्चों ने भाग लिया विशेष कर अभिषेक मिश्रा, दीपेश ,रजनीश, रितेश देवांश ,आयुष ,परी सिंह, रमन यादव, विशेष शुक्ला, हरीश शर्मा , समर वर्मा का चित्र सराहा गया। उक्त अवसर पर डॉक्टर रानी अवस्थी ने कहा कि यद्यपि यह बच्चे सुन नहीं सकते बोल नहीं सकते के किंतु उनके अंदर अपनी संस्कृति तथा अपने देश से प्यार है।

श्री द्वारकाधीश मंदिर, बैकुंठ धाम और परमहंस आश्रम में झूलनोत्सव चरमोत्कर्ष पर

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। अयोध्या में झूलनोत्सव पूरे शबाब पर है देश के कोने–कोने से लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंचकर दर्शन पूजन के पश्चात शाम को अपने आराध्य को झूला झूलने के लिए मंदिरों में पहुंच जाते हैं, गीत, संगीत और आध्यात्म की त्रिवेणी में गोते लगाते हैं इसी क्रम में राजघाट परिक्रमा मार्ग स्थित द्वारकाधीश मंदिर में अद्भुत भव्य झांकी श्रीमद जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी सूर्यनारायणाचार्य भागवत किंकर जी महाराज के संयोजन में सजाई गई जिसको देश के कोने कोने से आए हुए श्रद्धालु देखकर मंत्रमुग्ध हो गए और आध्यात्मिक संगीत संध्या में युगल सरकार को विभिन्न पद सुनाए गए हे रघुनंदन जनमन रंजन अलबेले सरकार हिंडोले झूलय.....सदा झूलो मेरे दिलवर बढे उत्साह नया...जियो युग युग प्रिया प्रितम यही है चाह नया।

वहीं श्रीधाम अयोध्या के कटरा मोहल्ले में स्थित प्रतिष्ठित पीठ श्री मधुसूदन बैकुंठ धाम मंदिर में जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्यामनारायणाचार्य महाराज के सानिध्य में श्रवण एकादशी से ठाकुर जी झूले पर विराजमान हुए और झूलन सरकार को देखने के लिए देश के कोने–कोने से आए भक्त आनंद में भाव विभोर हो रहे हैं। श्री महाराज जी के शिष्य युवराज मदनमोहनाचार्य ने बताया कि शाम से आरती के साथ झूलन महोत्सव प्रारंभ होता है और देर रात तक चलता है जिसमें कलाकार ठाकुर जी को रिझाने के लिए पद गायन करते है। कटरा मोहल्ले में स्थित प्रतिष्ठित पीठ परमहंस आश्रम में आश्रम के पीठ आदिश्वर महंत गोविंद दास महाराज की संयोजन में एकादशी से सरकार को झूले पर विराजमान करके नित्य झूलन महोत्सव मनाया जा रहा है और इसका समापन सोमवार पूर्णिमा को होगा। श्री महाराज जी ने बताया कि भक्त अपनी भाव द्वारा भगवान को झूले पर विराजमान करके झूला झूलत है और सरकार को निहार कर खुद आनंद के सागर में गोते लगाता है, सावन झूला महोत्सव निश्चित ही भक्तों को सुख प्रदान करता है।

जयसवाल मंदिर के संस्थापक रामकुमार दास को संतों ने किया नमन

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। राम जानकी जायसवाल मंदिर टेढ़ी बाजार वशिष्ट कुंड अयोध्या के संस्थापक साकेत वासी पूर्वाचार्य महंत रामकुमार दास 97 वीं पुण्यतिथि वर्तमान पीठाधीश्वर महंत श्यामसुंदर महराज के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें संतों महंतों श्री महाराज को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि श्री महाराज जी भजनानंदी संत थे, हमेशा सीताराम नाम भजन में लगे रहते थे संत सेवा गौ सेवा विद्यार्थी सेवा के लिए आश्रम का निर्माण किया और उन्हीं की आशीर्वाद से आज भी आश्रम में सभी प्रकार की सेवाएं नित्य होती हैं।

आश्रम के पीठाधीश्वर महंत श्यामसुंदर दास महाराज ने बताया कि दादा गुरु के बनाए गए नियमों और गुरुदेव भगवान के आदेशों का पालन करते हुए आश्रम में जो भी सेवाएं और उत्सव सवैया गुरुदेव भगवान किया करते थे उन्हीं के आशीर्वाद से निरंतर आश्रम में सभी सेवाएं सभी उत्सव मनाए जा रहे हैं आज दादा गुरु कु 97 वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ जिसमें अयोध्या के संतों ने श्री महाराज जी को भाव रूपी श्रद्धांजलि अर्पित की आए हुए संतों का सत्कार आश्रम की तरफ से किया गया।इस अवसर पर वेद मंदिर के महंत रामनरेश शरण,श्री राम आश्रम के महंत जयराम दास श्री रामकृष्ण मंदिर को महंत गणेशानंद दास , परमहंस आश्रम के महंत गोविंद दास,महंत पवन कुमार दास, पुरुषोत्तम भवन राजकुमार दास, आश्रम के भक्त जांगी लाल, जायसवाल मणियाहु जौनपुर, सुनील कुमार जायसवाल बारी गांव नवादा, जगदीश जयसवाल बड़ी देवकाली अयोध्या, कपिल देव जयसवाल बस्ती सहित सैकड़ो की संख्या संत महंत एवं भक्त जनों ने श्री महाराज जी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

माफियाराज खत्म होने से अब विकास कर रहा है प्रदेश –मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अंबेडकरनगर माफियाराज से मुक्त होकर अब विकास की तरफ बढ़ रहा है। यहां उद्योग लग रहे हैं। युवाओं को रोजगार मिल रहा है। कटेहरी के देव इंद्रावती महाविद्यालय में आयोजित रोजगार एवं ऋण मेले को संबोधित करते हुए सीएम ने कहा कि जन्माष्टमी आने वाली है। हालांकि यह जिला पहले ही अपराधिक लोगों से मुक्त हो चुका है। जो कुछ बचे होंगे वो भी कहीं लुढ़कते मिल जायेंगे। कटेहरी के लिए खेल स्टेडियम निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि यह जिला विकास की दौड़ में पिछड़ने नहीं पाएगा। अयोध्या में हो रहे विकास का लाभ यहां भी मिलेगा। दो औद्योगिक गलियारे के जिले में निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि इससे युवाओं को रोजगार के लिए बाहर जाने से फुर्सत मिलेगी।

इससे पहले सीएम ने कहा कि आज का उनका दौरा युवाओं से सीधो संवाद के लिए है। इसमें उन्हें 5100 टैबलेट का लाभ मिलने के साथ 46 कंपनियां दिन भर प्रक्रिया पूरी कर 21000 युवाओं को रोजगार देंगी। इसके साथ ही शाम तक 250 करोड़ रुपए तक के ऋण भी दिए जाएंगे। उन्होंने प्रदेश में तेजी से हो रहे विकास का जिक्र करते हुए इससे युवाओं को होने वाला लाभ गिनाया। कहा कि बीते दिनों मिले निवेश प्रस्ताव से एक करोड़ 35 लाख युवाओं को रोजगार तय हुआ है। आज यूपी को लेकर धारणा बदली है। पहले यह प्रदेश देश का ब्लैक स्पॉट था। माफियाराज था। अब यह रोल मॉडल बन रहा है। यूपी आज देश की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

युवाओं को आगामी दिनों में पुलिस भर्ती के बारे में बताते हुए कहा कि पहले ऐसी भर्ती के दौरान चाचा भतीजा वसूली के लिए निकल पड़ते थे। सपा पर यह प्रहार करने के बाद कहा कि अब कोई परीक्षा में गड़बड़ी करेगा तो हम उसकी पूरी संपत्ति जब्त कर लेंगे। हम युवाओं को सुरक्षा, सम्मान और रोजगार दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं के सपनों को पंख लगा रहे हैं। हमारा युवा भारत का वर्तमान और भविष्य है। इस मौके पर मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, गिरीश यादव, कपिलदेव अग्रवाल, एमएलसी हरिओम पांडेय, बीजेपी जिलाध्यक्ष त्रयंबक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष साधु वर्मा, जिला प्रभारी पद्मसेन चौधरी, डीएम अविनाश सिंह, एसपी डॉ कौस्तुभ आदि मौजूद रहे।

ग्रीन वैली अकैडमी बस्ती के बच्चों ने सैनिकों को बांधी राखी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रक्षाबंधन के उपलक्ष में ग्रीन वैली एकेडमी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने 47 अप बटालियन एनसीसी बस्ती में आकर के वहां उपस्थित सैनिकों को राखी बांधी और मिठाई भी खिलाई इस कार्यक्रम में 47 यूपी बटालियन सीसी बस्ती के कमांडिंग ऑफिसर करनाल प्रशांत कुमार ने बच्चों को रक्षाबंधन के बारे में बतलाया और वे भविष्य में क्या बनेंगे इसके बारे में भी बात की सभी बच्चों ने कर्नल प्रशांत कुमार एस एम बीवी तमांग लेफ्टिनेंट जितेंद्र कुमार सिंह शाही सूबेदार रिवाज तमांग सूबेदार बशीर अहमद नायक सूबेदार गुलाम मोहम्मद मोहम्मद शाह बम बद्री बहादुर कम शेर बहादुर खत्री कम लाल सिंह ढींगरा कम विक्रम लंबा हवलदार विनोद तमांग हवलदार सुमित शोभा को राखी बांधी राखी बांधी। इस अवसर पर कर्नल प्रशांत कुमार ने बच्चों को चॉकलेट चिप्स और फ्रूटी दिया। इस कार्यक्रम में ग्रीन वैली की शिक्षिका पूजा भट्ट और शशि श्रीवास्तव ने भी कर्नल प्रशांत कुमार जी को राखी बांधी और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के निदेशक डॉ अजीत प्रताप सिंह छात्रा अनन्या सिंह , अधीर सिंह आर्या आकृति आराध्या डाली यादव सौम्या प्रिया कसौधन सहित अनेक छात्राएं उपस्थित रहे और कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

14 सितम्बर को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा ने बताया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देश पर 14 सितम्बर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराया जा सकता है। लोक अदालत में पक्षकार स्वयं उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दे सकता है। उन्होंने कहा कि लोक अदालत में सुलह योग्य फौजदारी मामले, दिवानी वाद, भरण पोषण वाद, मोटर अधिनियम वाद, स्टांप वाद/पंजीयन वाद, चकबंदी वाद, श्रम वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, उपभोक्ता फोरम वाद, किराएदारी वाद, नगर पालिका–नगर निगम संबंधी मामले एवं स्थानीय विधियों के अंतर्गत सुलह योग्य वाद निस्तारित कराए जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त वैवाहिक एवं पारिवारिक मामलों का भी निस्तारण सुलह समझौते के आधार पर किया जा सकता है।ऐसे पारिवारिक मामलों जो किसी न्यायालय में लंबित नहीं है वो प्री–लिटिगेशन स्तर पर पक्षकार द्वारा प्रार्थना पत्र देकर सुलह समझौते के माध्यम से निस्तारित कराया जा सकता है जिसका आदेश सिविल न्यायालय की डिग्री के समान होगा। इसके अतिरिक्त अभिवाक सौदेबाजी से भी फौजदारी मामलों का निस्तारण कराया जा सकता है।

बाढ़ पीड़ितों के दर्द को लेकर प्रदेश सरकार पर खूब बरसे सपाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बाढ़ पीड़ितों के दर्द को लेकर शनिवार को सपाई प्रदेश सरकार पर जमकर बरसे। इटवा पार्टी दफ्तर से नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय के साथ सरकार विरोधी नारे लगाते हुए सपाई तहसील परिसर में पहुंचे। राज्यपाल को संबोधित तीन सूत्री ज्ञापन एसडीएम को सौंपा और सरकार से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की। सपाइयों ने कहा कि भाजपा सरकार जनहित से जुड़े हर मोर्चे पर फेल है। सरकार का सबका साथ सबका विकास का नारा भी खोखला है। इटवा के कई गांव प्रतिवर्ष बाढ़ की चपेट में आ जाते हैं। बाढ़ की विभीषिका से किसानों की फसलें बर्बाद हो जाती है। एक से दो महीने तक किसान विषम परिस्थितियों में जीवन जीने को मजबूर रहते हैं। सरकार द्वारा बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए अनुमन्य सहायता राशि सभी पात्रों तक नहीं पहुंच पा रही है। यह प्रदेश सरकार के नाकामियों को दर्शा रही है। जरूरतमंदों तक उनका हक नहीं पहुंच रहा है। सपाइयों ने कहा कि बाढ़ से मैरुंड और प्रभावित गांवों के सभी पीडिध्तों को वर्तमान में फसल का क्षतिपूर्ति नहीं मिल पा रही है। क्षतिपूर्ति देने में आधे से ज्यादा लोगों को छोड़ दिया जा रहा है। बाढ़ से जो मकान गिर गए हैं उन पीड़ितों को भी मुआवजा नहीं दिया जा रहा है। सपा चुप रहने वाली नहीं है। बाढ़ पीड़ितों को अगर तत्काल मदद नहीं मिली तो सपा और कड़ा आंदोलन करेगी।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

वाद सं0–C201917000000729

अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त (प्रशासन) बस्ती मण्डल बस्ती जिला–बस्ती

बंशबहादुर

बनाम

भागीरथी आदि

1. भागीरथी 2. नन्दलाल पुत्रगण हीरा 3. सन्देश 4. लक्ष्मी पुत्रगण रामजन्म –विपक्षी प्रथम वर्ग

5. प्रेमचन्द्र 6. ध्रुवचन्द्र 7. जर्नादन प्रसाद पुत्रगण खेदूराम 8. रोहित पुत्र सहदेव 9. जमुना पुत्र झिनकान10. राम गोपाल पुत्र रामलौट 11. बबलू 12. शंकर पुत्रगण भिखई –विपक्षीगण द्वितीय वर्ग साकिनान मौजा बट्टूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 13. भू.प्र.स. बट्टूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती द्वारा अध्यक्ष/प्रधान 15. सिपोला देवी पत्नी हीरा 16. राज कुमारी पत्नी रामजन्म साकिनान मौजा बट्टूपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 22–08–2024

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्टस

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 22 महीना 08 सन 2024 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है।

अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख 17 माह 08 सन 2024 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्अलेह मुतवफ्फा

(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

मूलवाद सं0 640/2006

रूआब अली

बनाम

साफिया खातून आदि

1/2 नजीर अहमद उम्र लगभग 30 साल पुत्र सलाहुद्दीन निवासी ग्राम गोपिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1/7 रूबीना खातून उम्र लगभग 39 साल निवासी ग्राम तिगोड़िया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती

तारीख पेशी 25–09–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 25 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 433/2022

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

अमित त्रिपाठी

बनाम

प्रतिमा पाण्डेय

1. प्रतिमा पाण्डेय पत्नी अजय कुमार पुत्री ओम प्रकाश साकिन मौजा मुण्डेरवा लोहदर तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 10–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 10 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com